Roll No : .....

Total No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages : **7**

UGA–101

B.A. (Part–II) DUE Ist Year Examination, 2021

GENERAL HINDI

(Compulsory Paper)

*Time : **1½** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

इकाई–I

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **150** शब्द) :

(क) दुरन्त जीवन-शक्ति है! कठिन उपदेश है। जीना भी एक कला है। लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है। जियो तो प्राण ढाल दो ज़िन्दगी में, मन ढाल दो जीवन रस के सारे उपकरणों में! ठीक है। लेकिन क्यों ? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है ? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है। 6

अथवा

घृणा का भाव मनुष्य की असमर्थता का प्रमाण है, जिसे तोड़कर हम इच्छानुसार गढ़ सकते हैं। उसके प्रति घृणा का अवकाश नहीं रहता, पर जिससे अपनी रक्षा के लिए हम सतर्क हैं, उसी की स्थिति हमारी घृणा का केन्द्र बन जाती है। जो मदिरा के पात्र को तोड़कर फेंक सकता है, उसे मदिरा से घृणा की आवश्यकता ही क्या है ? 6

(ख) जहाँ भूख और बीमारियों से लड़कर भी मनुष्यों के बालकों में क्रान्ति को चिरजीवी रखने का अपराजित साहस है, वह राष्ट्र कभी नहीं मर सकेगा। हड्डी-हड्डी से लड़ने वाले यह योद्धा जीवन की महान शक्ति को अभी तक अपने में जीवित रख सके हैं। संसार

कहता है, स्टालिनग्राड में लोग खंडहरों में से लड़े थे और उन्होंने दुश्मन के दाँत खट्टे कर दिए। उन्होंने बर्बरता की धारा को रोककर रूस को गुलाम होने से बचा दिया। किन्तु मैं पूछता हूँ, क्या शिद्धिरगंज दूसरा स्टालिनग्राड नहीं ? 6

अथवा

इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही उसे नष्ट कर रहा है। लेखकीय स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध लोग ही लेखक की स्वतंत्रता छीन रहे हैं। सहकारिता के लिए प्रतिबद्ध इस आंदोलन के लोग ही सहकारिता को नष्ट कर रहे हैं। सहकारिता तो एक स्पिरिट है। सब मिलकर सहकारितापूर्वक खाने लगते हैं और आंदोलन को नष्ट कर देते हैं। 6

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा में दीजिए (उत्तर-सीमा **250** शब्द) :

(क) महादेवी वर्मा द्वारा रचित संस्मरण 'निराला भाई' के आधार पर सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की चारित्रिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 7

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी की समीक्षा कीजिए। 7

(ख) डॉ. रामविलास शर्मा के आत्मकथांश 'भैया के नाम पाती' का सारांश लिखिए। 7

अथवा

'जामुन का पेड़' कहानी की मूल संवेदना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 7

इकाई–II

2. (अ) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **150** शब्द) :

(क) बहुत दिनन मैं प्रीतम पाये, भाग बड़े धरि बैठे आये॥

मंगलाचार माँहि मन राखौं, राम रसाँइण रसना चाषौं।

मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सूती अपना पीव पियारा॥

मैं रति राती जे निधि पाई, हमहि कहा यहु तुमहि बड़ाई।

कहै कबीर मैं कछु न कीन्हा, सखी सुहाग राम मोहि दीन्हा॥ 6

अथवा

भज मन चरण-कँवल अविनाशी।

जेताई दीसै धरनि गगन विच, तेता सब उठ जासी॥

इस देहि का गरब ना करणा, माटी में मिल जासी।

यों संसार चहर की बाजी, साँझ पड्यां उठ जासी॥ 6

(ख) और माँ ने कहा होगा,

दु:ख कितना बहा होगा,

आँख में किसलिए पानी,

वहाँ अच्छा है भवानी,

वह तुम्हारा मन समझकर,

और अपनापन समझकर,

गया है सो ठीक ही है,

यह तुम्हारी लीक ही है,

पाँव जो पीछे हटाता,

कोख को मेरी लजाता,

इस तरह होओ न कच्चे,

रो पड़ेंगे और बच्चे। 6

अथवा

आकाश

गिर पड़ा है

नदी में।

गोद में लिये उसको

बेखबर है नदी

सूरज-चाँद-सितारों से।

मौत जी रही हैं मछलियाँ

बहाव के पानी में।

सूर्यास्त जा रहा है

रात के घर

सुनहरा जाल लिये,

एक भी न पाकर जीती मछली

आज का दिन। 6

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा (**250** शब्द) में दीजिए :

(क) छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की कविता 'बीती विभावरी जाग री!' की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 7

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 7

(ख) 'पत्थर' कविता के काव्य सौंदर्य को स्पष्ट करते हुए केदारनाथ अग्रवाल की काव्यगत प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए। 7

अथवा

निर्मला पुतुल की कविता 'आओ, मिलकर बचाएँ' के सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय संदर्भों को स्पष्ट कीजिए। 7

इकाई–III

3. (अ) निम्नलिखित गद्यांश का सारांश लिखते हुए उपयुक्त शीर्षक दीजिए :

कल्पना कहानी की सर्जना में बहुत बड़ा योग देती है। कहानी लेखक जीवन और जगत् से सामग्री एकत्रित करता है। उसे कहानी के रूप में परिणत करने का श्रेय कल्पना को ही है। कल्पना कवि की प्रतिभा से विनिर्मित कंकाल में रूप-रंग का संचार करती है। यदि कहानी में कल्पना का योग न रहे तो वह कलात्मक कहानी न रहकर कोरा इतिहास या कथा-मात्र रह जायेगी। सच तो यह है कि कहानी को कलात्मक रूप प्रदान करने का श्रेय कहानीकार की कल्पना को ही दिया जाता है। 3+2=5

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) दाँत खट्टे करना

(ii) ईद का चाँद होना

(iii) चने के झाड़ पर चढ़ाना

(iv) चार चाँद लगना

(v) दाहिना हाथ होना

(vi) अँगूठा दिखाना

(vii) कान का कच्चा होना

(viii) घुटने टेकना

(ix) नाक चढ़ाना

(x) भौहें टेढ़ी करना 5

(स) निम्नलिखित में से किसी **एक** का पल्लवन कीजिए :

उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्। 4

अथवा

उतावले उत्साह से बड़े लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती। 4

(द) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्द-युग्मों का अर्थ बताइए :

(i) अनल – अनिल

(ii) अश्व – अश्म

(iii) ग्रह – गृह

(iv) सर – शर

(v) सुधि – सुधी

(vi) अर्चन – अर्जन

(vii) अक्ष – अक्षि

(viii) अभिराम – अविराम 4

(य) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के वर्तनीगत शुद्ध रूप लिखिए :

(i) सामर्थ्यता

(ii) अनधिकार

(iii) महात्म्य

(iv) प्रज्ज्वलित 2

(र) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए :

(i) मैं सोमवार के दिन अपने गाँव जाऊँगा।

(ii) मोहन कल सारी रातभर पढ़ता रहा।

(iii) जेम्सवाट ने भाप के इंजन की खोज की।

(iv) इस पाठ को पढ़ो। 2

इकाई–IV

4. (अ) अनुवाद की प्रक्रिया में शब्दकोश के अतिरिक्त कौनसे अन्य माध्यम उपयोगी हो सकते हैं ? किन्हीं **दो** का नामोल्लेख कीजिए। 3

अथवा

किसी वाक्य अथवा वाक्यांश के अर्थान्वयन में शब्दानुवाद अधिक महत्वपूर्ण होता है अथवा भावानुवाद ? समझाइए। 3

(ब) निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद कीजिए :

Games and sports are an essential part of education. Every boy and girl must participate in it. Sports strengthen our body and make us active. It also keep us healthy. We can learn several lessons from games like punctuality, decipline, patience, leadership and hopefulness. Those who keep away from sprts, often remain sickly. 8

अथवा

निम्नलिखित राजस्थानी अवतरण का हिन्दी अनुवाद कीजिए :

आंपणी राजस्थानी भासा, राजस्थान री धरती अर इतिहास री तरै हीज सबळ नै क्षमतावान है। आंपणां गीतड़ा अर भींतड़ा जतरा कीरत उजागर है वसीज मरम भर ख्यातां अर वातां है। राजस्थानी काव्य तो जगत चावो है, देस विदेस री घणी खरी भासावां में राजस्थानी काव्य रो अनुवाद व्हीयौ है पण गद्य साम्हो ध्यान ही नीं दीधो, ईं वास्ते राजस्थानी गद्य रा गुण लोगां री जांण में आणां चावै जस्या आया नीं। 8

इकाई–V

5. (अ) निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए (उत्तर-सीमा **350** शब्द) :

(i) कोविड–19 की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

(ii) डिजिटल इंडिया की अवधारणा व स्वरूप

(iii) हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दुस्तां हमारा

(iv) राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति एवं जनजीवन

(v) समाज और साहित्य का अन्तर्संबंध 10

(ब) मतदाता-सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए निर्वाचन अधिकारी, बीकानेर का प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5

अथवा

स्वयं को मरुधर मानकर राजकीय महाविद्यालय, हनुमानगढ़ में विद्या संबल योजना के तहत सहायक आचार्य-हिन्दी के पद हेतु किए जाने वाले आवदेन का प्रारूप लिखिए। 5